



IIM Raipur Leadership Summit 2025, Navigating Beyond Boundaries to Build Future-Ready Organizations

OR

CXOs and Thought Leaders Converge at IIM Raipur to Redefine Future-Ready Organizations

OR

IIM Raipur Leadership Summit 2025 Charts Roadmap for Leadership beyond Boundaries

Editor Synopsis:

- IIM Raipur successfully hosted 9th Leadership Summit 2025, bringing together CXOs, policymakers, entrepreneurs, and thought leaders from diverse industries.
- Chief Guest Shri Sandeep Singh (MD, Tata Hitachi Construction Machinery) emphasized innovation, customer-centricity, and sustainability as keys to future-ready organizations.
- Guest of Honour Ms. Deepika Rajor (PepsiCo India) underlined the power of people-first and inclusive leadership.
- Six panel discussions explored CXO virtues, people-first strategy, disruption, geopolitics, glocalization, and technology-human integration.
- Eminent speakers included Shri Krishan Mishra, Shri Pranjal Kamra, Shri Ashish Kapoor, Ms. Preeti Ahuja, Ms. Seema Ghosh, Shri Prem Singh, Ms. Kiran Khapre, Shri Niket Gupta, and many others.
- The summit reaffirmed IIM Raipur's role as a hub for thought leadership and as a bridge between academia and industry.

Raipur, August 24, 2025: Indian Institute of Management (IIM) Raipur, a leading institution recognized for #BuildingBusinessOwners, successfully concluded its flagship event, the Leadership Summit 2025. The conclave brought together a distinguished gathering of CXOs, policymakers, entrepreneurs, and thought leaders under the theme “The CXO Compass: Navigating beyond Boundaries to Build Future Ready Organizations.”

The two-day summit hosted six engaging panel discussions that explored multiple dimensions of leadership. The first day featured conversations on the evolving virtues that differentiate successful CXOs, the role of people-first strategies in building high-performance organizations, and the challenges of embracing disruptions in a rapidly changing business environment. The second day addressed leadership in the context of global geopolitics, the delicate balance of thinking globally while acting locally, and how the integration of technology with human potential will define the future of organizations.

Prof. Sanjeev Prashar, Director-in-Charge, IIM Raipur, highlighted the importance by stating, “It is an extraordinary confluence of ideas, experiences, and perspectives from across industries. True leadership lies beyond authority; it’s about distributive leadership built on sensing, relating, visioning, and inventing, where responsibility is shared, strengths are complemented, and where the journey is collective. At IIM Raipur, we strongly believe that leadership is no longer confined to authority or position, but is about vision, adaptability, and purpose. This summit reaffirmed the fact that future-



ready organizations will be built not only on technology and innovation but also on people-centric values, inclusivity, and resilience. IIM Raipur is proud to provide this platform where academia meets industry, and where the leaders of today inspire the leaders of tomorrow."

The inaugural session featured the Chief Guest, Shri Sandeep Singh, Managing Director, Tata Hitachi Construction Machinery Co. Pvt. Ltd. & Executive Officer, Hitachi Construction Machinery Japan, underscored the significance of innovation, customer-centricity, and sustainability in building tomorrow's organizations, stating that "Leadership in today's world is about building organizations that can adapt, innovate, and stay connected to their purpose. What struck me at the Leadership Summit 2025 was the commitment of IIM Raipur to nurture future leaders who not only understand business strategy but also value sustainability, inclusivity, and customer-centricity. In industries like ours, whether in construction machinery or beyond, the future will be shaped by those who can combine technology with human insight, efficiency with empathy, and growth with responsibility."

With Ms. Deepika Rajor, HR Business Partner Global Functions & Strategic Projects, PepsiCo India, joined as the Guest of Honour, she stressed the need for people-first leadership, and the critical role of nurturing human talent to create thriving organisational cultures. Drawing on her own experiences, she stated, "Adaptability is important. While AI has made our lives easier, it cannot take judgement calls. We created technology, technology has not created us. While automation may impact certain roles, it also frees leaders to focus on higher-value contributions, and urged businesses to leverage technology responsibly without losing the human touch."

Bringing together some of the finest minds from industry and governance, the summit showcased an eminent line-up of speakers including Shri Krishan Mishra, CEO, FPSB India; Shri Pranjal Kamra, Founder & CEO, Finology; Shri Ashish Kapoor, Head – Strategy & Growth, Mahindra Teqo; Dr. Prakash, Partner at ZS Associates; Ms. Preeti Ahuja, Global Chief People Officer, Husk Power; Ms. Seema Ghosh, Strategic Business Unit Head, Sun Pharma; Shri Prem Singh, IAS (Retd.); Shri Joy Abraham, Global Accounts Director, YASH Technologies; Ms. Kiran Khapre, CHRO, Kirloskar Oil Engines; and Shri Niket Gupta, Head of Talent Acquisition, Myntra, among several other distinguished leaders from diverse industries.

The two-day conclave concluded with a valedictory session given by Guest of honour Ms. Deepika Rajor and a vote of thanks by Prof. Mohit Goswami, acknowledging the contributions of faculty, industry leaders, and students in making the event a resounding success. With its impactful discussions and vibrant participation, the Leadership Summit 2025 reinforced IIM Raipur's role as a hub for thought leadership and a bridge between academia and industry.







आईआईएम रायपुर लीडरशिप समिट 2025 : सीमाओं से परे भविष्य के लिए तैयार संगठनों के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

या

सीएक्सओ और थॉट लीडर्स आईआईएम. रायपुर में एकजुट, भविष्य के लिए तैयार संगठनों की नई परिभाषा गढ़ने हेतु

या

आईआईएम रायपुर लीडरशिप समिट 2025 : सीमाओं से परे नेतृत्व का खाका प्रस्तुत

संपादक संक्षेप:

- आईआईएम रायपुर ने सफलतापूर्वक 9वीं लीडरशिप समिट 2025 का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न उद्योगों से सीएक्सओ, नीति-निर्माता, उद्यमी और थॉट लीडर्स ने भाग लिया।
- मुख्य अतिथि श्री संदीप सिंह (एमडी, टाटा हिटाची कंस्ट्रक्शन मशीनरी) ने नवाचार, ग्राहक-केंद्रितता और स्थिरता को भविष्य के संगठनों की कुंजी बताया।
- विशिष्ट अतिथि सुश्री दीपिका रजोर (पेप्सिको इंडिया) ने *पीपल-फर्स्ट* और समावेशी नेतृत्व की शक्ति पर बल दिया।
- छह पैनल चर्चाओं में सीएक्सओ गुण, पीपल-फर्स्ट रणनीति, बदलाव का सामना, भू-राजनीति, ग्लोकलाइजेशन और टेक्नोलॉजी-मानव एकीकरण जैसे विषयों पर चर्चा हुई।
- प्रमुख वक्ताओं में श्री कृष्णन मिश्रा, श्री प्रांजल कामरा, श्री आशीष कपूर, सुश्री प्रीति आहूजा, सुश्री सीमा घोष, श्री प्रेम सिंह, सुश्री किरण खापरे, श्री निकेत गुप्ता सहित अनेक उद्योग लीडर्स शामिल रहे।
- इस समिट ने आईआईएम रायपुर की भूमिका को थॉट लीडरशिप के केंद्र और शिक्षा व उद्योग के बीच सेतु के रूप में पुनः स्थापित किया।

रायपुर, 24 अगस्त 2025:

आईआईएम रायपुर, जो #बिल्डिंगबिजनेसओनरस के लिए विख्यात है, ने अपने प्रमुख आयोजन *लीडरशिप समिट 2025*-का सफल समापन किया। "*द सीएक्सओ कम्पास: नैविगेटिंग*



बियॉन्ड बाउंड्रीज़ टू बिल्ड फ्यूचर-रेडी ऑर्गनाइजेशन्स" विषय पर केंद्रित इस सम्मेलन में सीएक्सओ, नीति-निर्माता, उद्यमी और थॉट लीडर्स का विशिष्ट संगम देखने को मिला।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में छह सशक्त पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। पहले दिन चर्चाओं में सफल सीएक्सओ को अलग पहचान देने वाले गुणों, उच्च-प्रदर्शन संगठनों के निर्माण में पीपल-फर्स्ट रणनीति की भूमिका, और बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में विघटन को अपनाने की चुनौतियों पर विचार हुआ। दूसरे दिन वैश्विक भू-राजनीति में नेतृत्व की भूमिका, ग्लोबल दृष्टिकोण (वैश्विक सोच, स्थानीय क्रियान्वयन), और तकनीक व मानव क्षमता के एकीकरण से भविष्य के संगठनों की परिकल्पना जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

प्रो. संजीव पराशर, निदेशक-प्रभारी, भा.प्र.सं.रायपुर ने कहा:

"यह विचारों, अनुभवों और दृष्टिकोणों का एक अद्वितीय संगम है। सच्चा नेतृत्व केवल अधिकार तक सीमित नहीं है; यह संवेदनशीलता, दूरदर्शिता, संबंध और नवाचार पर आधारित वितरित नेतृत्व है, जहाँ जिम्मेदारियाँ साझा होती हैं, ताकतें एक-दूसरे को पूरक करती हैं और यात्रा सामूहिक होती है। भा.प्र.सं.रायपुर में हम मानते हैं कि नेतृत्व अब केवल पद या अधिकार का विषय नहीं रहा, बल्कि यह दृष्टि, अनुकूलनशीलता और उद्देश्य का सम्मिश्रण है। इस समिट ने फिर सिद्ध किया कि भविष्य के संगठन केवल तकनीक और नवाचार पर नहीं, बल्कि लोगों पर केंद्रित मूल्यों, समावेशिता और दृढ़ता पर खड़े होंगे।"

मुख्य अतिथि श्री संदीप सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर, टाटा हिटाची कंस्ट्रक्शन मशीनरी कंपनी प्रा. लि. एवं एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, हिटाची कंस्ट्रक्शन मशीनरी, जापान ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा:

"आज के युग में नेतृत्व का अर्थ ऐसे संगठनों का निर्माण है, जो अनुकूलनशील हों, नवाचार को अपनाएँ और अपने उद्देश्य से जुड़े रहें। लीडरशिप समिट 2025 में मुझे जो सबसे अधिक प्रभावित किया, वह भा.प्र.सं. रायपुर की प्रतिबद्धता है – ऐसे भविष्य के लीडर्स तैयार करने की जो न केवल व्यापारिक रणनीति समझें, बल्कि स्थिरता, समावेशिता और ग्राहक-केंद्रितता को भी महत्व दें। भविष्य उन्हीं का होगा जो तकनीक और मानवीय अंतर्दृष्टि, दक्षता और संवेदनशीलता, तथा विकास और जिम्मेदारी का संतुलन साधेंगे।"

विशिष्ट अतिथि सुश्री दीपिका रजोर, एचआर बिजनेस पार्टनर – ग्लोबल फंक्शन्स एवं स्ट्रैटेजिक प्रोजेक्ट्स, पेप्सिको इंडिया ने पीपल-फर्स्ट नेतृत्व और मानवीय प्रतिभा के संवर्धन पर बल देते हुए कहा:



"अनुकूलनशीलता आवश्यक है। एआई ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन यह निर्णय लेने की क्षमता नहीं रखता। हमने तकनीक बनाई है, तकनीक ने हमें नहीं बनाया। स्वचालन कुछ भूमिकाओं को प्रभावित कर सकता है, लेकिन यह लीडर्स को उच्च-मूल्य वाले योगदानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर भी देता है। हमें तकनीक का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना चाहिए, बिना मानवीय पहलू खोए।"

इस समिति में अनेक उद्योगों और शासन क्षेत्र के श्रेष्ठ लीडर एकत्र हुए। वक्ताओं में श्री कृष्णन मिश्रा (सीईओ, एफपीएसबी इंडिया), श्री प्रांजल कामरा (संस्थापक एवं सीईओ, फिनोलॉजी), श्री आशीष कपूर (हेड – स्ट्रैटेजी एवं ग्रोथ, महिंद्रा टेक्नो), डॉ. प्रकाश (पार्टनर, ज़ेडएस एसोसिएट्स), सुश्री प्रीति आहूजा (ग्लोबल चीफ पीपल ऑफिसर, हस्क पावर), सुश्री सीमा घोष (हेड, एसबीयू सन फार्मा), श्री प्रेम सिंह (पूर्व आईएस), श्री जॉय अब्राहम (ग्लोबल अकाउंट्स डायरेक्टर, यश टेक्नोलॉजीज), सुश्री किरन खापरे (सीएचआरओ, किलोस्कर ऑयल इंजन), श्री निकेत गुप्ता (हेड ऑफ टैलेंट एक्विजिशन, मित्रा) समेत कई अन्य विशिष्ट लीडर्स शामिल रहे।

दो दिवसीय सम्मेलन का समापन विशिष्ट अतिथि सुश्री दीपिका रजोर के संबोधन और प्रो. मोहित गोस्वामी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस आयोजन ने अपने सार्थक विमर्श और ऊर्जावान सहभागिता से आईआईएम रायपुर की भूमिका को थॉट लीडरशिप के प्रमुख केंद्र और शिक्षा तथा उद्योग के बीच मजबूत कड़ी के रूप में और सुदृढ़ किया।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील लीडर्स को विकसित करता है और उन्हें उस ज्ञान, अनुभव एवं महत्वपूर्ण संबंधों से सुसज्जित करता है जो व्यवसाय के क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु आवश्यक हैं। यह संस्थान विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में 50 से अधिक विद्वान शिक्षकों तथा देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों से अपनी शक्ति प्राप्त करता है। 2024 में, भा.प्र.सं. रायपुर ने एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वाँ स्थान प्राप्त किया, 2023 में सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वाँ स्थान हासिल किया। ये उपलब्धियाँ संस्थान की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रमाणित करती हैं और इसके देश के सर्वाधिक तेजी से प्रगति करने वाले प्रबंधन संस्थानों में स्थान को रेखांकित करती हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी नया रायपुर के जीवंत परिवेश में स्थित अत्याधुनिक परिसर आधुनिक



वास्तुकला एवं छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करता है, जो प्रेरणादायी शिक्षण वातावरण निर्मित करता है। भा.प्र.सं. रायपुर ज्ञानार्जन की पारंपरिक परिधि से परे जाकर एक समग्र शैक्षिक अनुभव प्रदान करता है, जो विद्यार्थियों को केवल करियर ही नहीं, बल्कि ऐसे नेतृत्वकारी दायित्वों के लिए भी तैयार करता है जो व्यवसायिक परिदृश्य में सार्थक योगदान दें।